RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

10th SST ECONOMICS

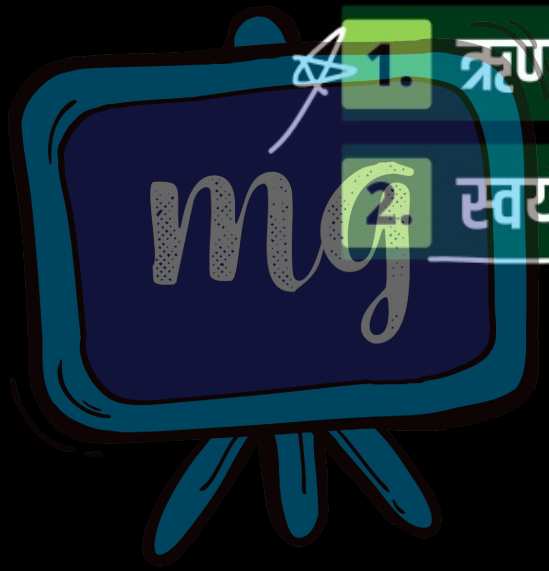
मुद्रा और साख



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

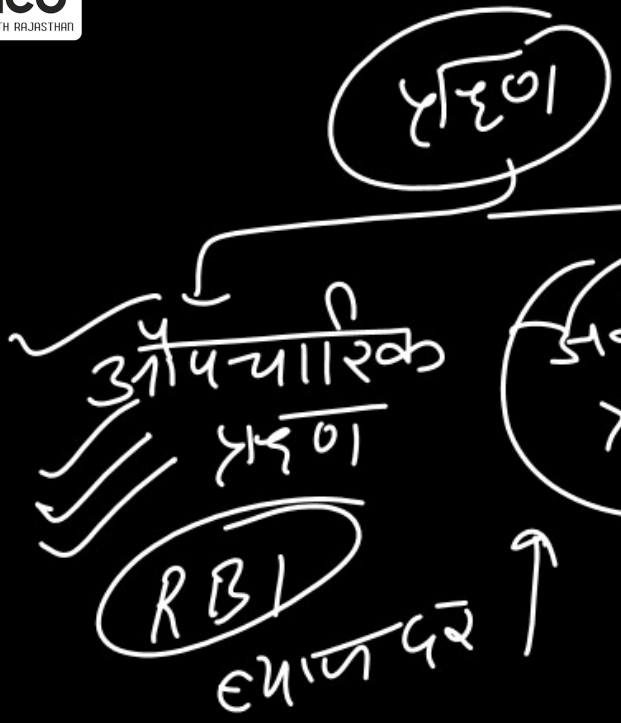
आज क्या पढेंगे ?



1. ऋणों के प्रकार
2. स्वयं सहायता समूह

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अनौपचारिक क्षेत्रक से ऋण

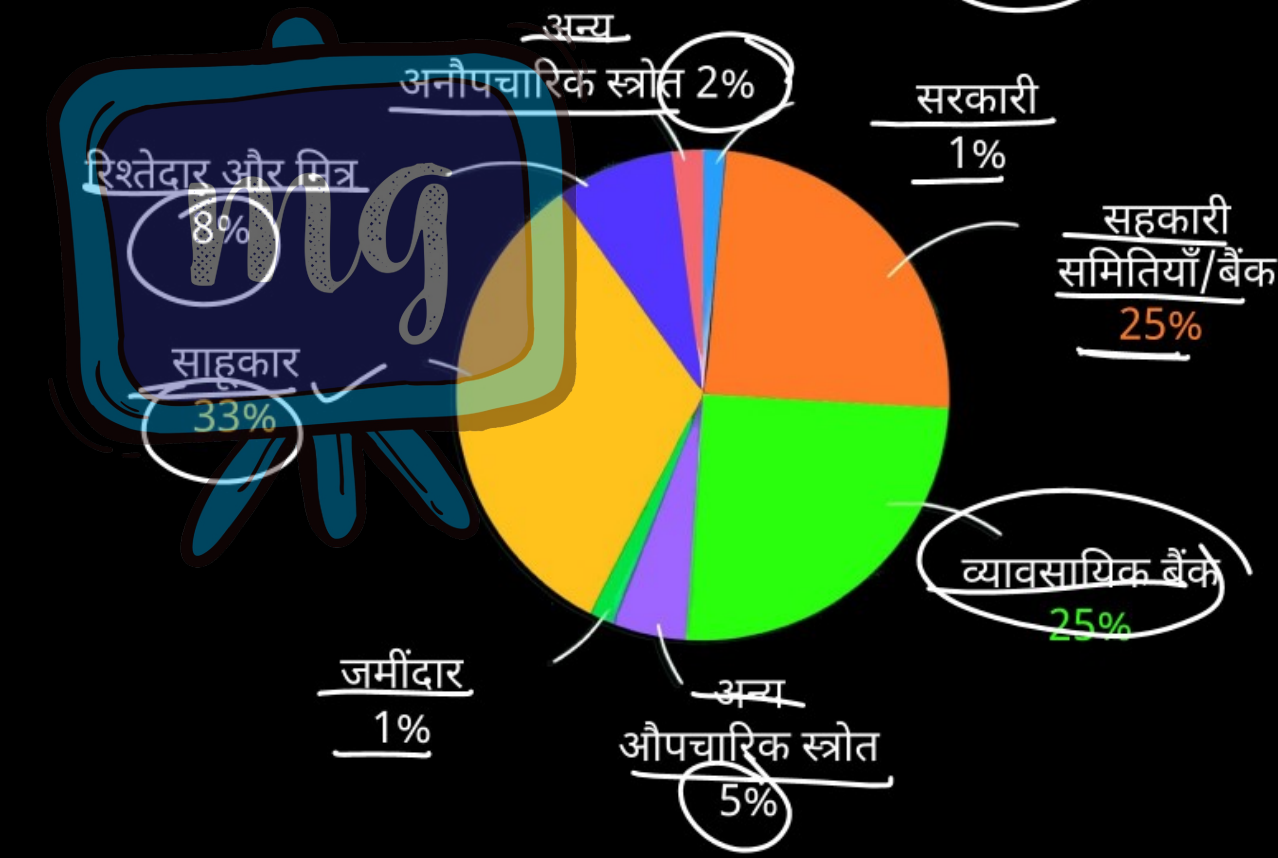
- साहूकार, व्यापारी, रिश्तेदार आदि। (मित्र)
- समर्थक ऋणाधार के बिना ऋण दे सकते हैं।
- अक्सर बहुत ऊँची ब्याज दर लेते हैं।
- पैसा वसूलने के लिए अनुचित तरीके अपना सकते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ऋण के स्रोत

भारत में ग्रामीण परिवारों के प्रति ₹1000 ऋण, 2012



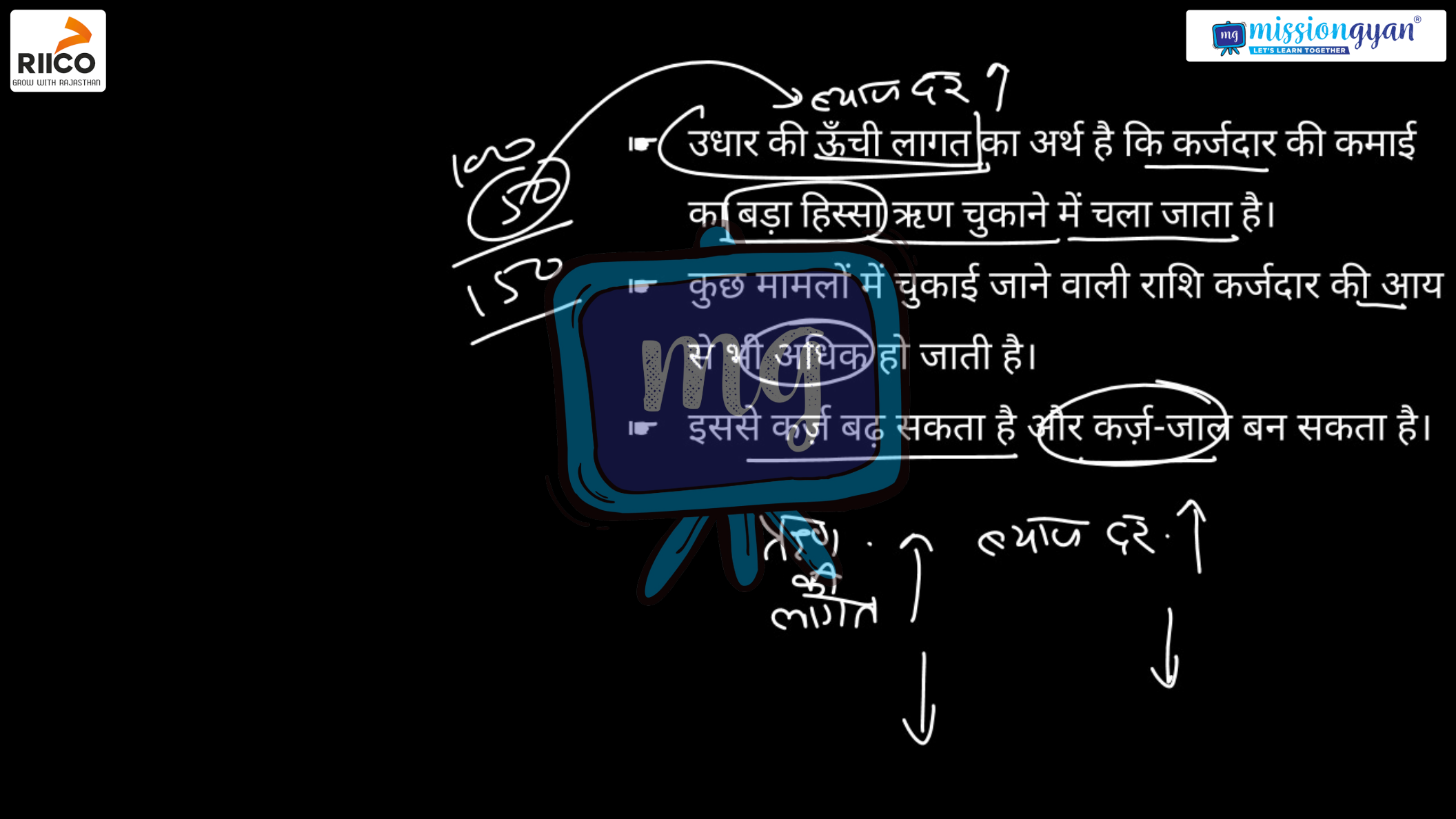
अनौपचारिक ऋणों का प्रभाव

- अनौपचारिक क्षेत्र में ऋणदाताओं की साख संबंधी गतिविधियों की निगरानी करने वाली RBI जैसी कोई संस्था नहीं होती।
- अनौपचारिक ऋणदाता:- ऋण देने वाले
  - ऊँची ब्याज दर लेते हैं।
  - पैसा वसूलने के लिए अनुचित तरीके अपनाते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

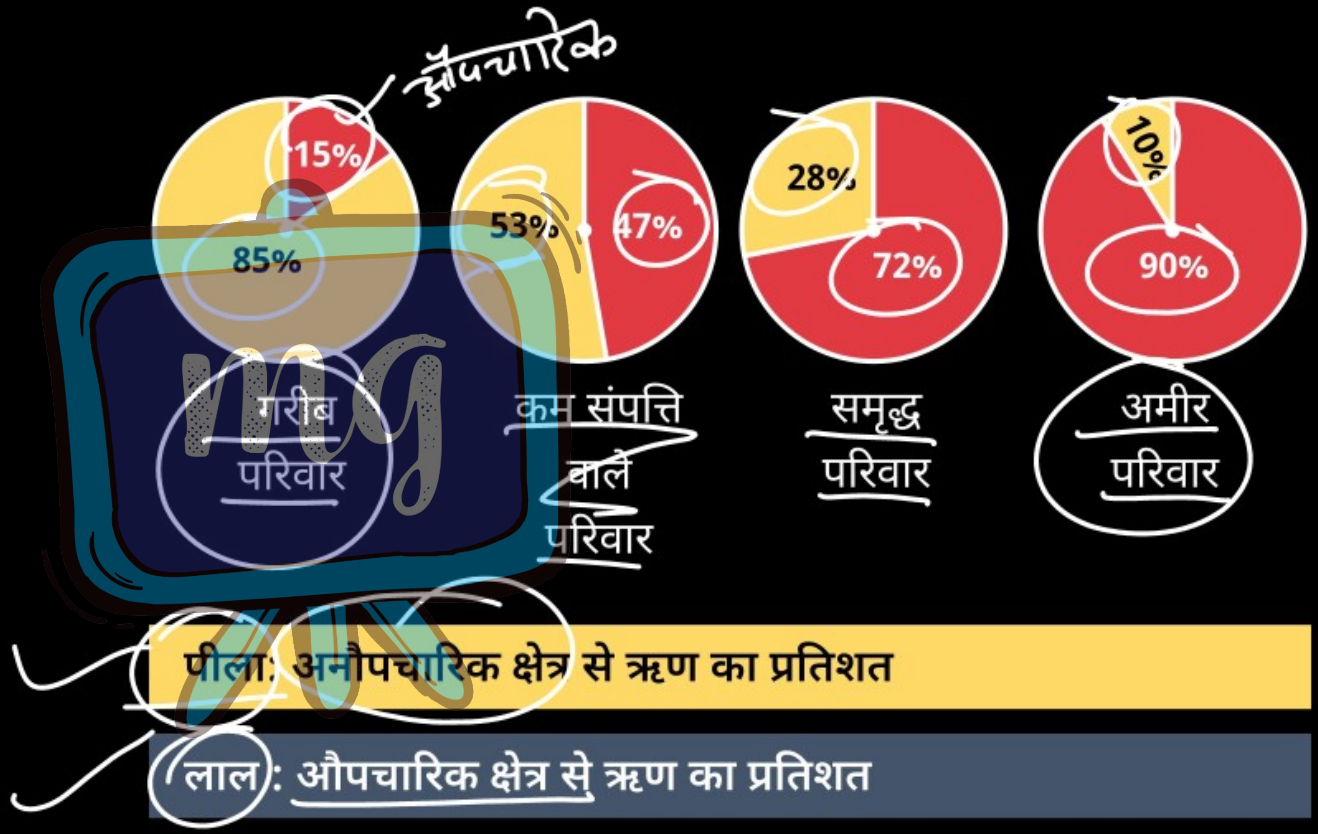
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उधार की ऊँची लागत का अर्थ है कि कर्जदार की कमाई का बड़ा हिस्सा ऋण चुकाने में चला जाता है।
- कुछ मामलों में चुकाई जाने वाली राशि कर्जदार की आय से भी अधिक हो जाती है।
- इससे कर्ज़ बढ़ सकता है और कर्ज़-जाल बन सकता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

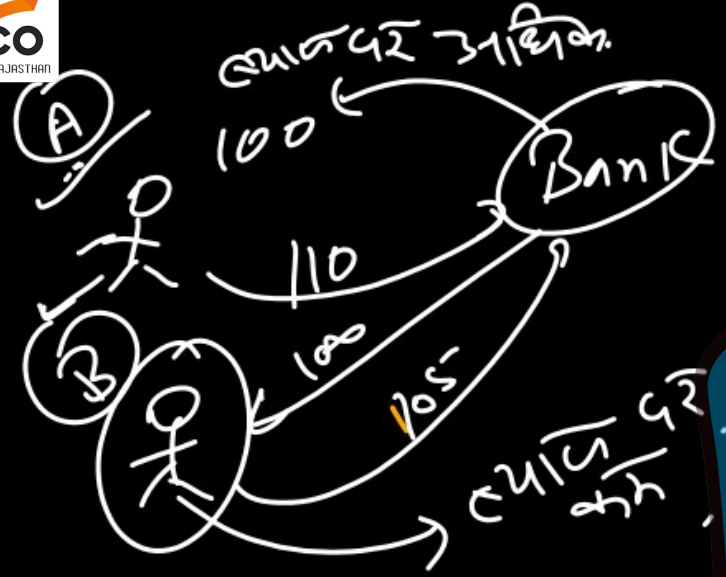


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गरीब परिवार अनौपचारिक क्षेत्र पर निर्भर

1. बैंक उपलब्ध नहीं
2. उचित कागजात नहीं
3. समर्थक ऋणाधार नहीं



सस्ते ऋण का महत्व

- आर्थिक विकास।
- यह लोगों को सक्षम बनाता है:-
  - व्यवसाय शुरू करने में
  - उद्योग स्थापित करने में
  - अपनी आजीविका सुधारने में
- बैंकों और सहकारी समितियों द्वारा अधिक ऋण देने से महंगे अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता घट सकती है।

स्वयं सहायता समूह (SHGs)

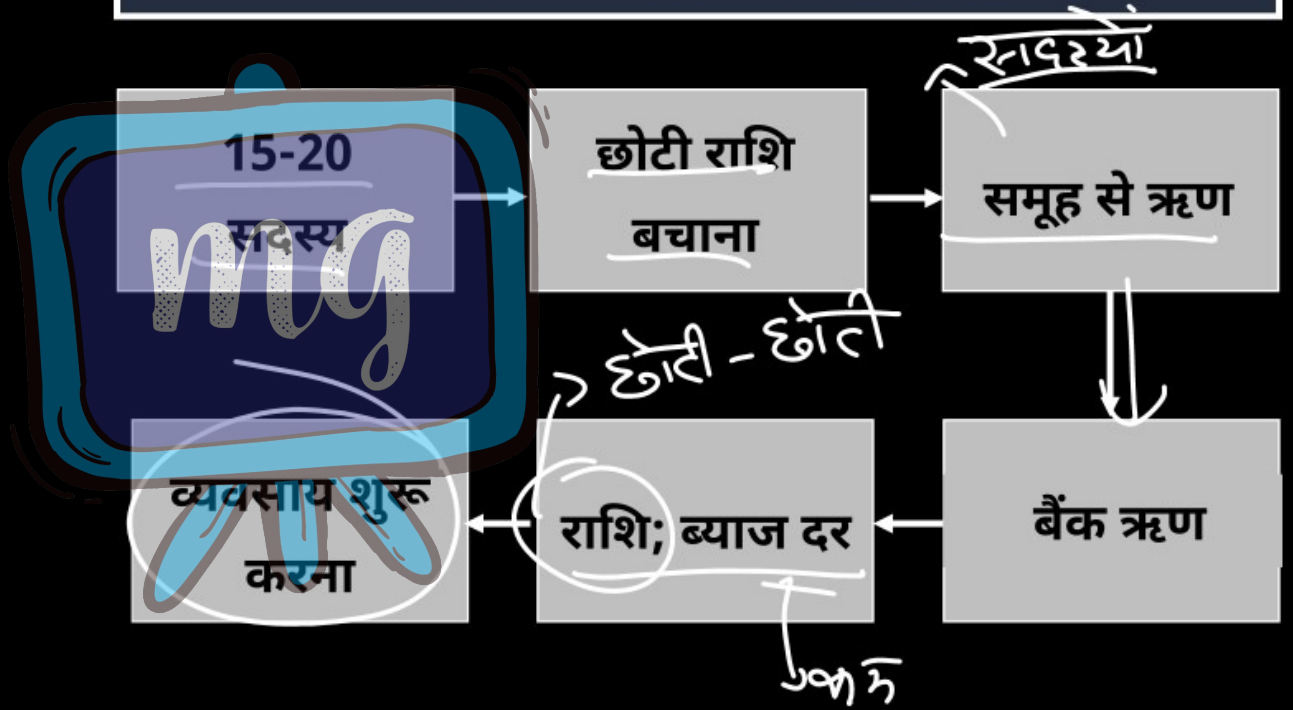
ग्रामीण गरीबों (आमतौर पर महिलाओं) के छोटे समूह, जो अपनी बचत को मिलाकर सदस्यों को छोटे ऋण देते हैं



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

स्वयं सहायता समूहों की कार्यप्रणाली



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- आमतौर पर इनमें 15-20 सदस्य होते हैं, जो नियमित रूप से मिलते हैं और छोटी राशि बचाते हैं।
- सदस्य साहूकारों की तुलना में कम ब्याज दर पर समूह से छोटे ऋण ले सकते हैं।
- समूह ऋण के उद्देश्य, राशि, ब्याज दर और अदायगी की समय-सारणी तय करता है।

- नियमित बचत के बाद स्वयं सहायता समूह बैंक ऋण के योग्य हो जाता है।
- स्वयं सहायता समूह द्वारा प्राप्त ऋणों का उपयोग संपत्ति खरीदने या छोटे व्यवसाय शुरू करने में होता है।
- बैंक को ऋण चुकाने की जिम्मेदारी समूह की होती है।
- ऋण न चुकाने को अन्य सदस्य गंभीरता से लेते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्वयं सहायता समूहों के लाभ

1. आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ाना
2. कम ब्याज दरें
3. बिना समर्थक ऋणाधार के ऋण

4.	सामाजिक मुद्दों पर चर्चा का मंच प्रदान करता है (स्वास्थ्य, पोषण, घरेलू हिंसा)
5.	महिला सशक्तिकरण होता है

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बांग्लादेश का ग्रामीण बैंक

- ग्रामीण बैंक बांग्लादेश में 1970 में स्थापित छोटे पैमाने से शुरू हुई संस्था है।
- यह गरीबों (विशेषकर महिलाओं) को कम ब्याज दरों पर ऋण देता है।



